# मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि

**पाठ्यक्रम को सहज बनाती बेसिक की कविताएं**

## माह _जनवरी २०२४

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद
दिनांक 11.01.2024 काव्यांजलि 2099 दिन गुरुवार
आपका दिन शुभ हो!
कक्षा-6 विषय- हिन्दी मंजरी
ईदगाह
(पाठ-10, भाग- 08)
बेचना काम तुम्हारा चिमटा,
ठीक-ठाक लो दाम और दे दो।
बोला, रुपये पाँच लगेंगे,
लेते हो तो जल्दी ले लो।।
कुल पैसे हैं तीन ही भाई,
कह हामिद आगे बढ़ जाता।
समझ कोई मजबूरी उसकी,
दुकानदार फिर पास बुलाता।।
लेकर चिमटा खुशी से हामिद,
सभी दोस्तों से यूँ बोला।
चिमटा रूस्तमे-हिन्द है मेरा,
सबका मन तब उस पर डोला।।
खर्च किये सबने जो पैसे,
खरीदे खिलौने और मिठाई।
चिन्ता हुई अब घर जाने की,
करेंगी अम्मा सबकी पिटाई।।
रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय स्योंढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर
आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

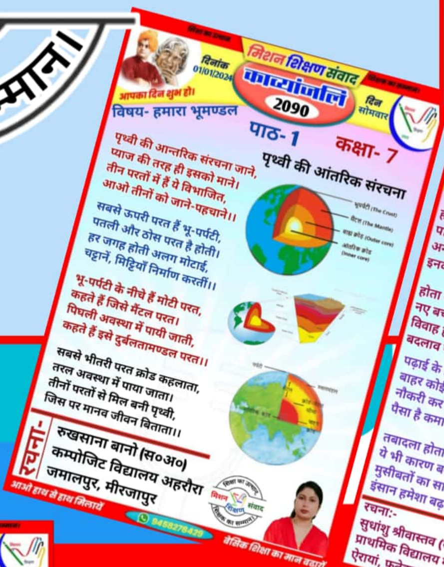
मिशन शिक्षण संवाद
दिनांक 01/01/2024 काव्यांजलि 2090 दिन सोमवार
आपका दिन शुभ हो!
विषय- हमारा भूमण्डल पाठ- 1 कक्षा- 7
पृथ्वी की आंतरिक संरचना
पृथ्वी की आन्तरिक संरचना जानें,
प्याज की तरह ही इसको मानें।
तीन परतों में है ये विभाजित,
आओ तीनों को जानें-पहचानें।।
सबसे ऊपरी परत है भू-पर्पटी,
पतली और ठोस परत है होती।
हर जगह होती अलग मोटाई,
चट्टानें, मिट्टियाँ निर्माण करतीं।।
भू-पर्पटी के नीचे है मोटी परत,
कहते हैं जिसे मैंटल परत।
पिघली अवस्था में पायी जाती,
कहते हैं इसे दुर्बलतामण्डल परत।।
सबसे भीतरी परत क्रोड कहलाता,
तरल अवस्था में पाया जाता।
तीनों परतों से मिल बनी पृथ्वी,
जिस पर मानव जीवन बिताता।।
रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर
आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

मिशन शिक्षण संवाद
दिनांक 02 जनवरी 2024 काव्यांजलि 2091 दिन मंगलवार
आपका दिन शुभ हो!
कक्षा-05 विषय-प्रकृति पाठ-01
परिवार कल आज और कल
तबादला
होते है बदलाव,
परिवारों में जानों।
अनेक कारणों से,
इनको तुम पहचानों।।
होता जब है घर में,
नए बच्चे का जन्म।
विवाह होने पर भी,
बदलाव पाते हम।।
पढ़ाई के लिए देखो,
बाहर कोई है जाता।
नौकरी कर के आदमी,
पैसा है कमाता।।
तबादला होता नौकरी में,
ये भी कारण बनता।
मुसीबतों का सामना कर,
इंसान हमेशा बढ़ता।।
रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर
आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

मिशन शिक्षण संवाद
दिनांक 05/01/2024 काव्यांजलि 2094 दिन शुक्रवार
आपका दिन शुभ हो!
कक्षा -5 विषय- वाटिका (हिन्दी) पाठ- 01
विमल इन्दु की विशाल किरणें
ईश्वर ने इस प्रकृति को,
बहुत खूबसूरत बनाया है।
प्रकृति के कण-कण को,
बड़ी सुन्दरता से सजाया है।।
सागर की उठती लहरें,
ईश्वर का गुणगान करती है।
ईश्वर की है अद्भुत लीला,
सबको बखान करती है।।
नदियाँ की पावन जलधारा,
हर पल बहती रहती है,
रुकना है जीवन में भी व्यर्थ,
सदा यही सन्देश देती हैं।।
सूरज, चाँद और सितारे,
प्रकृति के अद्भुत नजारे हैं।
ईश्वर ने बिखरे धरती पर,
अपने सुन्दर रंग सारे है।।
रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात
आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

मिशन शिक्षण संवाद
दिनांक 10 जनवरी 2024 काव्यांजलि 2098 दिन बुधवार
आपका दिन शुभ हो!
कक्षा- 6 विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन) पाठ- 05
मानचित्रण
मानचित्र के प्रकार
पृथ्वी के प्राकृतिक स्वरूप को दिखाए,
पर्वत, पठार, महासागर समाए।
मैदान, नदी इसी में ही आए,
ऐसा मानचित्र प्राकृतिक कहलाए।।
फैले राजनीतिक स्वरूप को दिखाए,
राज्य, नगर, शहर, गाँव जिसमें आएं,
देशों, राज्यों उनकी सीमा दर्शाए।
ऐसा मानचित्र राजनैतिक कहलाए।।
विषयक मानचित्र जो देते,
हैं विशेष जानकारी।
सड़क, वर्षा, वन वितरण को,
कर देते हैं जारी।।
सिंचित क्षेत्र, भूमि बँटवारा,
विभिन्न प्रकार के भू-उपयोग।
कार्यालय, विद्यालय, अधिवास,
का रहता जिसमें संयोग।।
भू-राजस्व मानचित्र होते,
इनको जानें करें प्रयोग।
रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी
आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

## संकलन कर्ता

### काव्यांजलि टीम,
### मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

# काव्यांजलि 2090

दिनांक 01/01/2024 | दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारा भूमण्डल | पाठ- 1 | कक्षा- 7

## पृथ्वी की आंतरिक संरचना

पृथ्वी की आन्तरिक संरचना जाने,
प्याज की तरह ही इसको माने।
तीन परतों में हैं ये विभाजित,
आओ तीनों को जाने-पहचाने।।

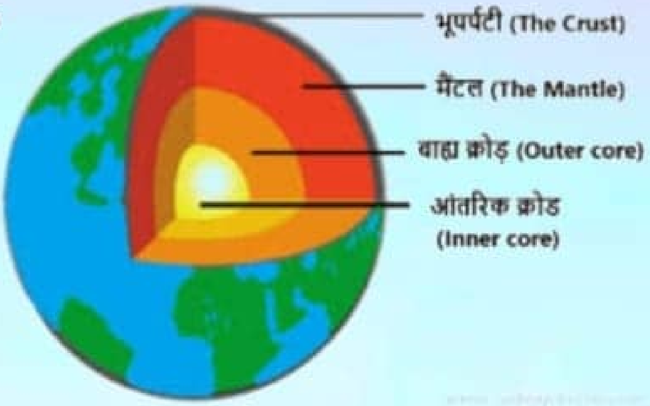


सबसे ऊपरी परत हैं भू-पर्पटी,
पतली और ठोस परत है होती।
हर जगह होती अलग मोटाई,
चट्टानें, मिट्टियाँ निर्माण करतीं।।

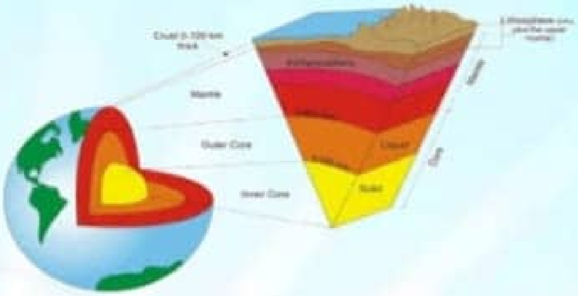

भू-पर्पटी के नीचे हैं मोटी परत,
कहते हैं जिसे मैंटल परत।
पिघली अवस्था में पायी जाती,
कहते हैं इसे दुर्बलतामण्डल परत।।

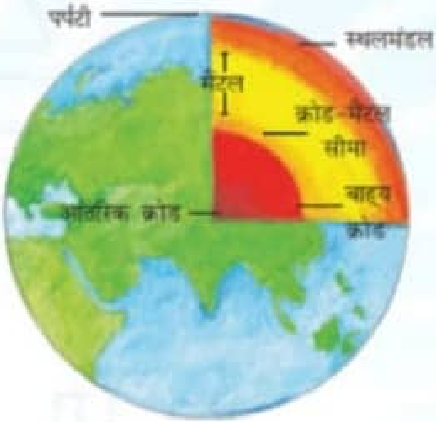


सबसे भीतरी परत क्रोड कहलाता,
तरल अवस्था में पाया जाता।
तीनों परतों से मिल बनी पृथ्वी,
जिस पर मानव जीवन बिताता।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान

# मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
02 जनवरी
2024

काव्यांजलि
2091

दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-05 विषय-प्रकृति पाठ-01

परिवार कल आज और कल

## तबादला

होते है बदलाव,
परिवारों में जानों।
अनेक कारणों से,
इनको तुम पहचानों।।

होता जब है घर में,
नए बच्चे का जन्म।
विवाह होने पर भी,
बदलाव पाते हम।।

पढ़ाई के लिए देखो,
बाहर कोई है जाता।
नौकरी कर के आदमी,
पैसा है कमाता।।

तबादला होता नौकरी में,
ये भी कारण बनता।
मुसीबतों का सामना कर,
इंसान हमेशा बढ़ता।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

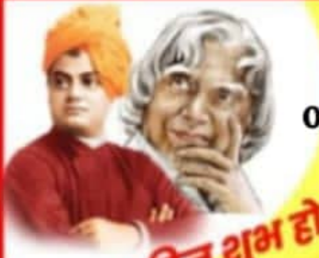

दिनांक 03.01.2024

# काव्यांजलि
2092

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-6, विषय- हिन्दी(मंजरी)

## ईदगाह

(पाठ-10, भाग- 07)

खिसियाता रहता है हामिद,
लेकिन मिठाई नहीं खरीदता।
नहीं मिठाई होती अच्छी,
बढ़ जाता है सबको कोसता।।

लोहे का सामान है बिकता,
सब बच्चे आगे बढ़ जाते।
लेकिन देखकर काला चिमटा,
कदम हामिद के वहीं थम जाते।।

आया ख्याल उसे दादी का,
जब भी वह रोटी हैं बनाती।
हाथ से सेंकती रहती रोटी,
सारी उँगलियाँ हैं जल जाती।।

पूँछा दाम चिमटे का उसने,
दुकानदार ने तब घुड़की दी।
काम की चीज नहीं है तुम्हारे,
आगे और बढ़ो तुम जल्दी।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर

Scanned with OKEN Scanner

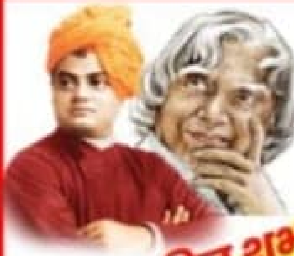

# काव्यांजलि

**2093**

दिनांक 04 जनवरी 2024

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 04

कक्षा- 6

## विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)

## पृथ्वी की गतियाँ

### पृथ्वी के ताप कटिबन्ध

कर्क रेखा और मकर रेखा के,
बीच का पड़ता जो भू-भाग।
उष्ण कटिबंध या tropical zone,
कहें इसको अब रखना याद।।

कर्क रेखा और आर्कटिक वृत्त के,
बीच का रहता जो भू-भाग।
मकर रेखा और अंटार्कटिक वृत्त के,
बीच का रहता जो भू-भाग।।

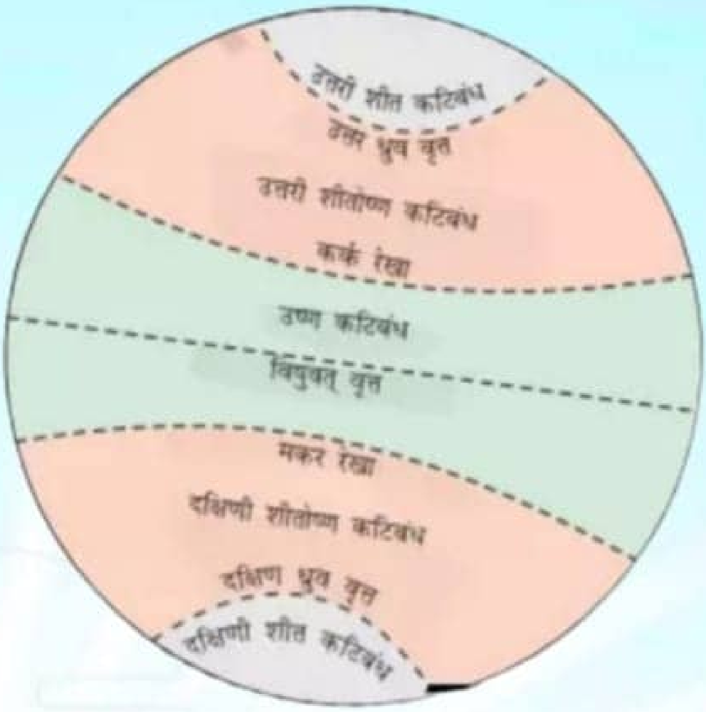


शीतोष्ण कटिबंध या temperate
zone, यही है कहलाता।
क्योंकि तापमान जो यहाँ का,
मध्यम है पाया जाता।।

आर्कटिक वृत्त के उत्तर और,
अंटार्कटिक वृत्त के दक्षिण में।
शीत कटिबंध या frigid zone का,
क्षेत्र कहलाता है समझें।।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

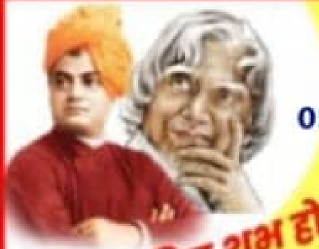

दिनांक 05/01/2024

काव्यांजलि
2094

दिन शुक्रवार

पाठ- 01

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा -5 विषय- वाटिका (हिन्दी)

# विमल इन्दु की विशाल किरणें

ईश्वर ने इस प्रकृति को,
बहुत खूबसूरत बनाया है।
प्रकृति के कण-कण को,
बड़ी सुन्दरता से सजाया है।।

सागर की उठती लहरें,
ईश्वर का गुणगान करती है।
ईश्वर की है अद्भुत लीला,
सबको बखान करती है।।

नदियों की पावन जलधारा,
हर पल बहती रहती है,
रुकना है जीवन में भी व्यर्थ,
सदा यही सन्देश देती हैं।।

सूरज, चाँद और सितारे,
प्रकृति के अद्भुत नजारे हैं।
ईश्वर ने बिखरे धरती पर,
अपने सुन्दर रंग सारे है।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
# मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।
दिनांक 06.01.2024
## काव्यांजलि 2095
दिन शनिवार

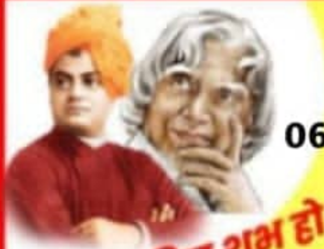

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 3, विषय-हिन्दी (पंखुड़ी)

## घमण्डी का बाग
## पाठ 21, (भाग-1)

घमण्डी का था बाग अनोखा,
बच्चों की खुशियों का झरोखा।
रोज खेला और कूदा करते,
एक दूजे से हंसा-बोला करते।।

नरम, हरी थी घास वहां पर,
चिड़ियां गाती मधुर गान वहां पर।
घमण्डी को पर कुछ न सुहाया,
आकर बच्चों पर चिल्लाया।।

मेरा बाग यह सिर्फ मेरा है,
और किसी का न यहां डेरा है।।
घेरा चारों तरफ एक बनवाया।
सख्त मना है आना लिखवाया।।

बसन्त का फिर मौसम आया,
फूल खिले, चिड़ियों को चहकाया।
घमण्डी के बाग का मौसम न बदला,
सिर्फ बर्फ और हवा का फेरा।।

रचना
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र० अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान
# मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

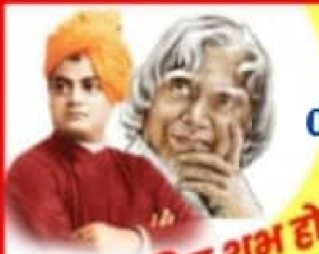

दिनांक 08/01/2024

## काव्यांजलि
**2096**

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

**विषय- हमारा भूमण्डल**

**पाठ- 1** **कक्षा- 7**

## पृथ्वी की आंतरिक संरचना

खनिजों का मिश्रण है चट्टान,
शैल है उसका दूजा नाम।
होते हैं इसके तीन प्रकार,
जान लो ये है आसान।।

**प्रकरण- शैल, भाग- 1**

*आग्नेय शैल*
आग्नेय शैल कठोर होती,
रवेदार और दानेदार होती।
जीवश्म नहीं होते इसमें,
इसमें परत नहीं पायी जाती।।

*रूपान्तरित शैल*
रूप परिवर्तन से निर्मित होती,
अत: रूपान्तरित शैल कहलाती।
ये चट्टानें होती हैं कठोर,
इसलिए जल्दी नहीं टूटती।।

सोना, चाँदी, लोहा, अभ्रक,
हैं आग्नेय शैल के उदाहरण।
चमक होती है इनमें तेज,
बनते हैं इनसे आभूषण।।

हीरा, माणिक, संगमरमर,
नीलम हैं ये मूल्यवान पत्थर।
ताप व दाब के द्वारा बनती,
ताजमहल है इसका उदाहरण।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

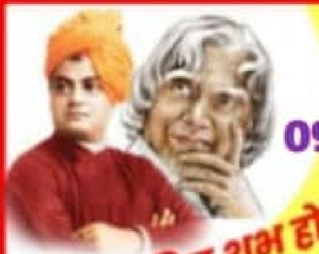

दिनांक
09 जनवरी 2024

# काव्यांजलि
2097

दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- विज्ञान

इकाई- 14 प्रकाश

## प्रकाश स्रोत, दीप्त एवं अदीप्त वस्तुएँ

प्रकाश ऊर्जा प्राप्त हो जिन साधनों से,
साधन वे कहलाते प्रकाश स्रोत।
प्राकृतिक और मानव निर्मित,
दो प्रकार के होते प्रकाश स्रोत।।

प्राकृतिक रूप से प्राप्त होते स्रोत जो,
प्राकृतिक प्रकाश स्रोत कहलाते हैं।
हो निर्माण मनुष्यों द्वारा जिनका,
वे मानव निर्मित प्रकाश स्त्रोत कहे जाते हैं।।

जो वस्तुएँ प्रकाश स्वयं उत्पन्न करे,
वे दीप्त वस्तुएँ कहलाती हैं।
प्रकाश उत्पन्न नहीं करती जो वस्तुएँ,
वे अदीप्त वस्तुएँ कही जाती हैं।।

अदीप्त वस्तुएँ मेज, पुस्तक, दर्पण, चन्द्रमा,
दीप्त जलता लैम्प, विद्युत बल्ब, सूर्य, तारे।
बल्ब, टॉर्च, मोमबत्ती, लालटेन मानव निर्मित,
प्राकृतिक प्रकाश स्रोत हैं सूर्य और तारे।।

रचना-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with OKEN Scanner

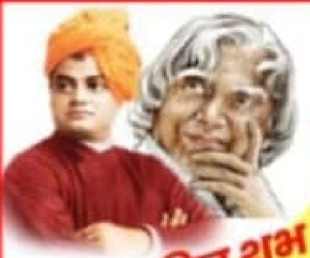

दिनांक 10 जनवरी 2024

# काव्यांजलि

## 2098

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 05

कक्षा- 6

## विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)

### मानचित्रण

### मानचित्र के प्रकार

पृथ्वी के प्राकृतिक स्वरूप को दिखाए,
पर्वत, पठार, महासागर समाए।
मैदान, नदी इसी में ही आए,
ऐसा मानचित्र प्राकृतिक कहलाए।।

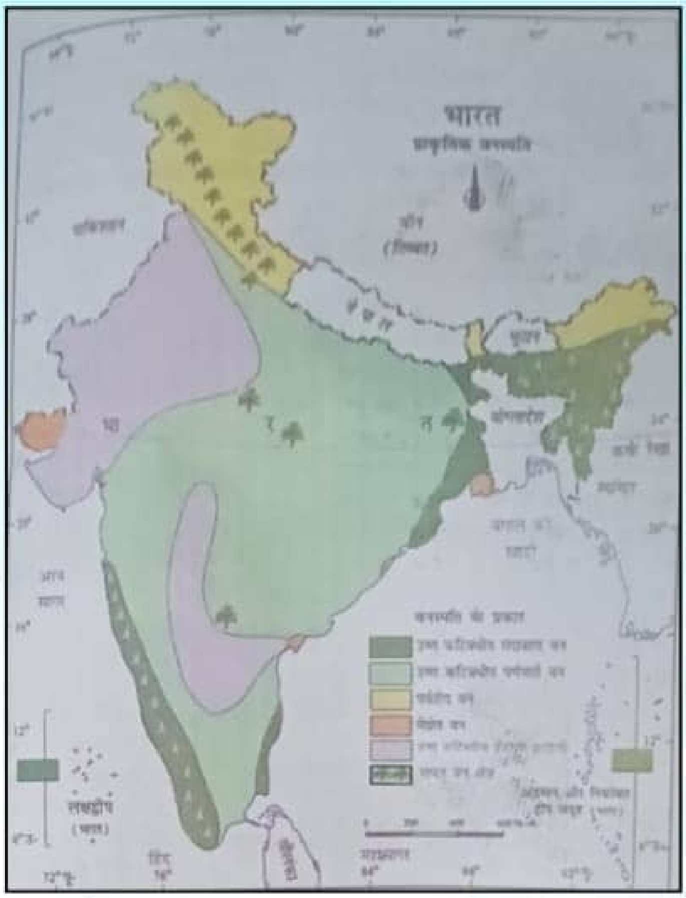


फैले राजनीतिक स्वरूप को दिखाए,
राज्य, नगर, शहर, गाँव जिसमें आएं,
देशों, राज्यों उनकी सीमा दर्शाए।
ऐसा मानचित्र राजनैतिक कहलाए।।

थिमैटिक मानचित्र जो देते,
हैं विशेष जानकारी।
सड़क, वर्षा, वन वितरण को,
कर देते हैं जारी।।

सिंचित क्षेत्र, भूमि बँटवारा,
विभिन्न प्रकार के भू-उपयोग।
कार्यालय, विद्यालय, अधिवास,
का रहता जिसमें संयोग।।
भू-राजस्व मानचित्र होते,
इनको जानें करें प्रयोग।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी



Scanned with OKEN Scanner

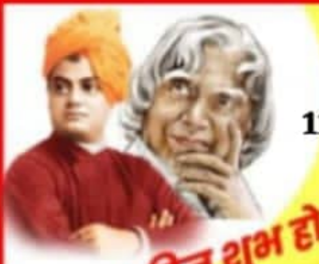

दिनांक
11.01.2024

काव्यांजलि
2099

दिन
गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-6, विषय- हिन्दी(मंजरी)

# ईदगाह

(पाठ-10, भाग- 08)

बेचना काम तुम्हारा चिमटा,
ठीक-ठाक लो दाम और दे दो।
बोला, रूपये पाँच लगेंगे,
लेते हो तो जल्दी ले लो।।

कुल पैसे हैं तीन ही भाई,
कह हामिद आगे बढ़ जाता।
समझ कोई मजबूरी उसकी,
दुकानदार फिर पास बुलाता।।

लेकर चिमटा खुशी से हामिद,
सभी दोस्तों से यूँ बोला।
चिमटा रूस्तमे-हिन्द है मेरा,
सबका मन तब उस पर डोला।।

खर्च किये सबने जो पैसे,
खरीदे खिलौने और मिठाई।
चिन्ता हुई अब घर जाने की,
करेंगी अम्मा सबकी पिटाई।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
# मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।
दिनांक 12 जनवरी 2024
काव्यांजलि 2100
दिन शुक्रवार

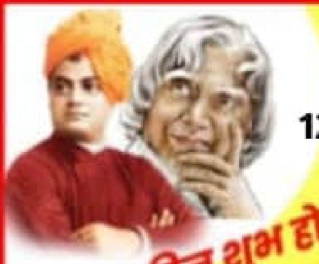

आपका दिन शुभ हो।

मेरा परिवार मेरी प्रेरणा

कक्षा-05 विषय-प्रकृति पाठ-02

## ब्रेल लिपि

जिन लोगों ने अपनी,
आँखें है खो दी।
उनकी मदद की खातिर
ब्रेल लिपि है होती।

लुई ब्रेल फ्रांस देश का,
उसकी थी एक मुश्किल।
बन्द हो गया दिखना उसको,
आँखें जब हो गयीं चोटिल।।

तरीका ढूढ़ा पढ़ने का,
अक्षरों को छूकर।
महान काम किया उसने,
ब्रेल लिपि बनाकर।।

उभरे बिन्दु मोटे कागज पर,
संख्या छः हम पाते।
आसान हुआ अब उनके लिए,
लिखते पढ़ते जाते।।

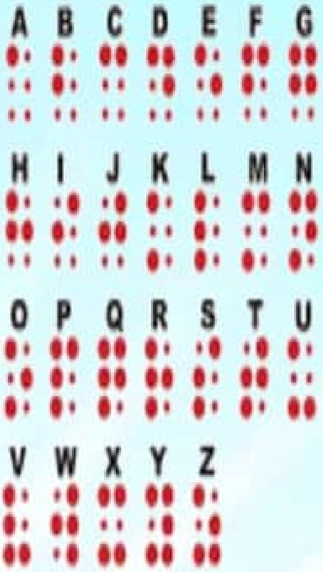


रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
दिनांक 13/01/2024
काव्यांजलि
21011
दिन शनिवार

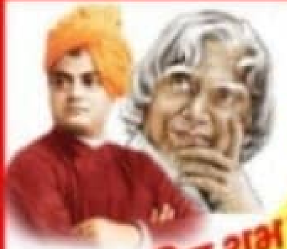

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 08
भाग- 01

कक्षा -5 विषय- वाटिका (हिन्दी)

# मैं और मेरा देश

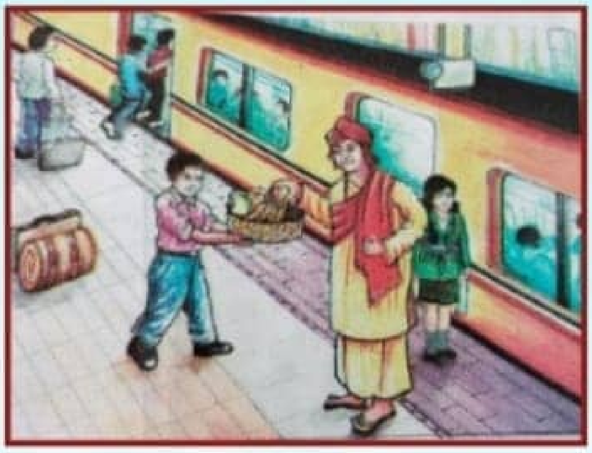

एक बार सन्त राम तीर्थ,
यात्रा पर गए जापान।
उन्हें कहीं फल ना मिले,
वह बहुत हुए हैरान।।

उन्होंने कहा जापान देश में,
फल कहीं नहीं मिलते हैं।
सारे देशवासी यहाँ पर,
बिना फल खाए ही रहते हैं।।

तभी अचानक एक युवक,
फलों की टोकरी लाया।
स्वामी जी को भेंट कर,
वह बड़ा मुस्काया।।

सन्त ने जब युवक को,
फलों का मूल्य देना चाहा।
जापान में फल नहीं मिलते,
ना कहना युवक ने समझाया।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
# मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

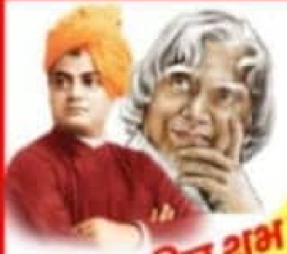

दिनांक 15/01/2024

## काव्यांजलि
2102

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारा भूमण्डल

पाठ- 1 कक्षा- 7

## पृथ्वी की आंतरिक संरचना

### प्रकरण- शैल, भाग- 2

*अवसादी शैल*
अवसादी शैल कहलाती परतदार,
ये शैल नहीं होती है रवेदार।
इसमें पाये जाते हैं जीवश्म,
अवसादों-मलबों से होता निर्माण।।

शैलों में परतें पायी जाती हैं,
मोटाई हजारों मीटर होती है।
परतदार शैल होती मुलायम,
कुछ चट्टानें कड़ी भी होती हैं।।

हिमालय पर्वत-चूने का पत्थर,
कोयला, खड़िया, बलुआ पत्थर।
ये सब होती हैं चट्टानें कड़ी,
कुछ का प्रयोग करते हम अक्सर।।

चीका मिट्टी, पंक, खनिज तेल,
ये सब भी हैं अवसादी शैल।
होते हैं ये बहुत मुलायम,
कहलाते हैं परतदार शैल।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

Scanned with OKEN Scanner

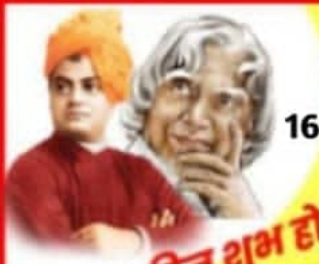

दिनांक 16.01.2024

# काव्यांजलि
2103

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 3, विषय- हिन्दी

## पाठ 21, घमण्डी का बाग (भाग 2)

घमण्डी सोच-सोच घबराया,
बसन्त का क्यों न मौसम आया।
लेटे-लेटे सोचे पलंग पर,
बाग मेरा क्यों न हरियाया।।

सुन्दर एक छोटी सी चिड़िया,
मधुर गीत सुनाती थी।
उसकी मीठी बोली की धुन,
घमण्डी के कान तक आती थी।।

उठा घमण्डी उसने फिर देखा,
बच्चों की एक टोली को पाया।
चुपके से टोली बाग में आई,
बच्चों ने वहां धूम थी मचाई।।

पेड़ हंसे और खिल-खिलाए,
बच्चों को वो लाड़ लड़ाएं।।
बाग का सारा नजारा बदला,
देख घमण्डी का दिल बदला।।

रचना
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकन्दरपुर कर्ण, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

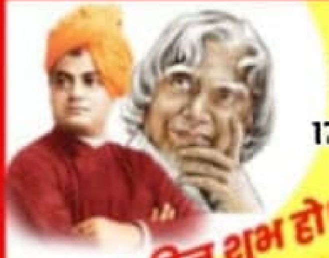

दिनांक
17/01/2024

# काव्यांजलि
2104

दिन
बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 3, विषय- हिन्दी

## पाठ- 17
## लोकगीत

हमारे गाँव और घरों में,
बहुत से शुभ अवसर ऐसे आते हैं।
जिन पर अक्सर समूह में,
खुशी के मधुर गीत गाए जाते हैं।।

गीत गाते समय ढ़ोलक,
और बाजा भी बजवाते हैं।
हमारी स्थानीय बोली के ये गीत,
लोकगीत कहलाते हैं।।

शिक्षक ने रविन्द्र की कक्षा में,
मोबाइल पर लोकगीत सुनाये।
उन मृदुल गीतों को सुनकर,
बच्चे आनन्दित हो मुस्कुराये।।

रचना - पूनम नैन (स०अ०)
उ० प्रा० वि० मुकंदपुर (1-8)
छपरौली, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक 18.01.2024

# काव्यांजलि
2105

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-6, विषय- हिन्दी(मंजरी)

# ईदगाह

(पाठ-10, भाग- 09)

देख हाथ में चिमटा थामे,
सभी लगे थे मजाक बनाने।
लेकर आया इस चिमटे को,
कैसा बुद्धू! अल्लाह जाने।।

पटका जोर से चिमटा उसने,
शेखी खूब बघारी।
और बजाया मंजीरे सा,
बाजी उसने मारी।।

मोहसिन, नूरे, सम्मी सबके,
खिलौने हैं बेकार।
मेरा चिमटा सबसे अच्छा,
सबके लिए कामगार।।

आग, पानी और आँधी में भी,
डटकर करेगा ये मुकाबला।
इतने गुण सुनकर तो चिमटा,
लगने लगा था सबको भला।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर



Scanned with OKEN Scanner

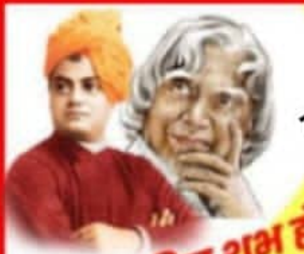

दिनांक
19 जनवरी
2024

## काव्यांजलि
2106

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-05 विषय-वाटिका
पाठ-16 भाग-01

# विजयपथ

सुन्दवन का प्यारा जंगल,
मौसम था देखो सुहाना।
खरगोश और कछुआ का,
साथ में हरदम आना-जाना।।

दोनों दोस्तों में थी जानों,
मित्रता थी गहरी।
साथ वे हरदम रहते,
शाम हो या दुपहरी।।

कछुआ और खरगोश ने फिर,
स्थान जगह को चुना।
पहले पहुँचेगा जो वही विजेता,
सबने था यह सुना।।

प्रतियोगिता का समय,
जल्द फिर देखो आया।
दोनों ने की थी तैयारी,
सबका मन अकुलाया।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with OKEN Scanner

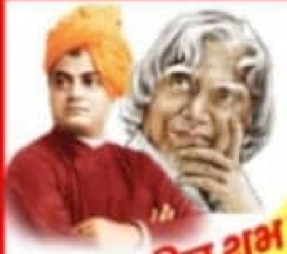

दिनांक 20/01/2024

काव्यांजलि 2107

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 08
भाग- 2

कक्षा -5 विषय- वाटिका (हिन्दी)

# मैं और मेरा देश

जब हम सब मिलकर,
अपने कर्तव्य निभाते है।
राष्ट्र के हित में हम,
मिलकर कदम बढ़ाते हैं।।

हमारे अच्छे कार्यों की,
चारों ओर प्रशंसा होती है।
मिलता है मान सम्मान,
और प्रसिद्धि होती है।।

हमारे अच्छे आचरण से,
देश का मान बढ़ता है।
संस्कृति की होती रक्षा,
राष्ट्र का सम्मान होता है।।

देश प्रेम को मन में रखकर,
हम शिष्ट आचरण अपनाते हैं।
देश के गौरव गाथा में,
महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

Scanned with OKEN Scanner

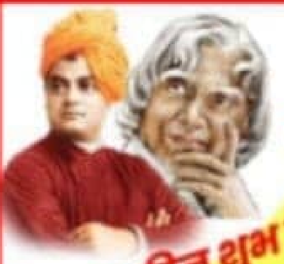

दिनांक
22.01.2024

# काव्यांजलि
2108

दिन
सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारा परिवेश, कक्षा- 3, पाठ- 14

## संचार के साधन

जगह-जगह की खबरें हम तक,
संचार के साधन पहुँचाते।
घर में बैठे -बैठे ही हम,
सारी दुनिया से जुड़ जाते।।

पत्र, रेडियो, टी.वी, फोन,
संचार के साधन कहलाते।
जानकारी, मनोरंजन देते,
सारी सूचना झट पहुँचाते।।

पुराने समय में भी सूचना,
पत्र वाहक लाते -ले जाते।
गुप्त और जरूरी चिट्ठी,
कबूतर भी थे पहुँचाते।।

डाक द्वारा सभी पत्र अब,
डाकिया घर-घर पहुँचाते।
मोबाइल और इंटरनेट द्वारा,
सारे काम झटपट हो जाते।।

रचना:-
पुष्पा पटेल (प्र०अ०)
प्रा० वि० संग्रामपुर,
क्षेत्र व जनपद - चित्रकूट

Scanned with OKEN Scanner

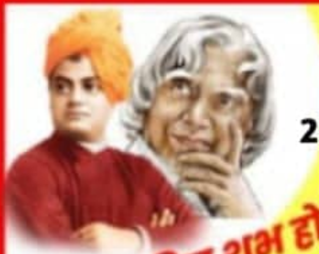

दिनांक
23.01.2024

# काव्यांजलि
2109

दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 3, विषय-हिन्दी (पंखुड़ी)

## पाठ 21- घमण्डी का बाग (अन्तिम भाग)

बच्चों संग पेड़ो को देखकर,
घमण्डी का था दिल भर आया।
मैं हूँ कितना बुरा आदमी,
सोच-सोच कर वो पछताया।।

समझ गया किसलिए उसके,
बाग में न बसन्त था आया।
बात करूँगा अब सबसे हँसकर,
उसने खुद को यह समझाया।।

चहारदीवारी को गिरा मैं दूँगा,
सबको बाग में मैं आने दूंगा।
अपने किए पर बहुत पछताया,
बच्चे को उसने गोद में उठाया।।

अब से बच्चों ये बाग तुम्हारा,
तुम हो सबसे सुन्दर फूल।
बच्चे हँसे तो जग हँसता है,
चारो ओर बसन्त खिलता है।।

रचना
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकन्दरपुर करन, उन्नाव

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक 24 जनवरी 2024

# काव्यांजलि
## 2110

दिन बुधवार

पाठ- 05

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6

## विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)
### मानचित्रण
### दिशाएँ

सूर्य है उगता पूर्व दिशा में,
पश्चिम में होता है अस्त।
यन्त्र न थे प्राचीन समय में,
दिशा ज्ञान करते थे सब।।

ध्रुव तारे की प्रकृति है ऐसी,
उत्तर दिशा में दिखता है।
इसकी मदद से अन्य दिशा का,
पता हमें चल सकता है।।

कम्पास का कर प्रयोग हम,
दिशा जान जाते हैं अब।
उत्तर, दक्षिण दिशा में रुकती,
इसकी सुई कम्पास पर।।

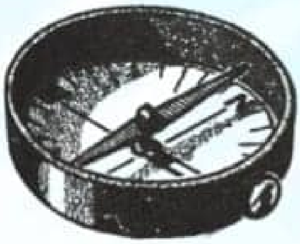

मानचित्र में तीर द्वारा दिशाएँ दर्शाई जातीं,
ऊपर उत्तर दिशा कहाए, नीचे दक्षिण हो जाती।
दाएँ हाथ की तरफ हो पूरब, बाएँ हाथ पश्चिम होती,
दिशा ज्ञान का ज्ञान जरूरी, स्थिति इनसे पता होती।।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

Scanned with OKEN Scanner

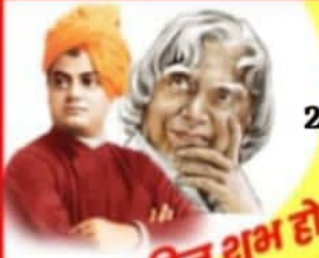

दिनांक 25.01.2024

# काव्यांजलि 2111

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-6, विषय- हिन्दी(मंजरी)

## ईदगाह (पाठ-10, भाग- 10)

सुनकर हामिद से चिमटे का,
सबने इतना सारा गुणगान।
घर जाने पर मिलेगा माँ से,
खिलौनों की खातिर अपमान।।

पर समझाया तब हामिद ने,
ये चिमटा तो लोहे का है।
बड़े सलोने हैं ये खिलौने,
नहीं मुकाबला इन सबका है।।

ग्यारह बजते मेला वापस,
पहुँचा, गाँव में मच गया शोर।
दौड़ी बहन मोहसिन की और,
छीना भिश्ती लगाकर जोर।।

खुशी के मारे उछली ऐसे,
भिश्ती तो सुरलोक सिधारा।
मारपीट सुन अम्मा आयी,
और दोनों को खूब सुधारा।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान

# मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 26 जनवरी 2024

## काव्यांजलि

2112

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-05 विषय-वाटिका
पाठ-02 भाग-01

## पंच परमेश्वर

अलगू और जुम्मन शेख,
दोनों थे सच्चे मित्र।
साझे में करते खेती,
अच्छा था उनका चरित्र।।

मित्र थे वे बचपन से,
जुम्मन के पिता जुमराती।
दोनों बच्चों को पढ़ाते,
दोस्ती बढ़ती जाती।।

जुम्मन की एक बूढ़ी खाला,
कोई ना उसका था रखवाला।
जायदा थी उसके पास,
जुम्मन के लिए थी खास।।

वादे करके लंबे चौड़े,
जायदाद लिखवायी।
तब तक जुम्मन ने,
खूब खातिरदारी करवायी।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
# मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

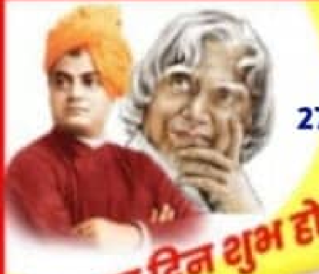

दिनांक 27/01/2023

## काव्यांजलि
2113

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 10

कक्षा -5 विषय- वाटिका (हिन्दी)

# चेतक की वीरता

राणा प्रताप का सुन्दर घोड़ा,
नाम जिसका चेतक प्यारा था।
हवा से भी तेज था वह घोड़ा,
राणा की आँखों का तारा था।।

राणा प्रताप के इशारों पर,
चेतक आगे बढ़ता था।
युद्ध कौशल में निडरता से,
चेतक विचरण करता था।।

चेतन के पैरों की आवाज से,
दुश्मन घबरा जाते थे।
देखकर उसकी निडरता,
दुश्मन अचरज में पड़ जाते थे।।

महाराणा प्रताप का घोड़ा,
चेतक बहुत बहादुर था।
युद्ध कौशल में था निपुण,
चेतक सबसे प्यारा था।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान

# मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

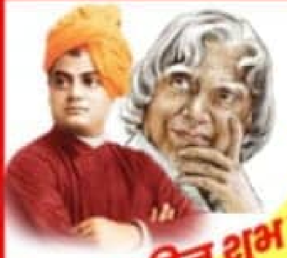

दिनांक 29 जनवरी 2024

## काव्यांजलि 2114

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

### कक्षा- 3, विषय- हमारा परिवेश, पाठ-11

## यातायात के नियम..

सड़क पर चलने के नियम,
कहलाते यातायात के नियम।
ट्रैफिक पुलिस और ट्रैफिक लाइट,
सिखाती जीवन रक्षा के नियम।।

बत्ती लाल जले रुक जाना,
पीली में तैयार हो जाना।
हरी इशारा करती चल दो,
चौराहों में सावधानी अपनाना।।

बायीं ओर सड़क पर चलना,
बाइक-स्कूटर में हेलमेट पहनना।
कार-मोटर में सीट-बेल्ट लगाओ,
मोबाइल का प्रयोग न करना।।

पैदल सड़क पार जब करना,
जेब्रा क्रासिंग का प्रयोग तब करना।
दुर्घटना से बचना हो तो,
जल्दबाजी तुम कभी न करना।।

रचना-
पुष्पा पटेल (प्र0अ0)
प्रा0 वि0 संग्रामपुर
क्षेत्र व जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।



Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
# मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

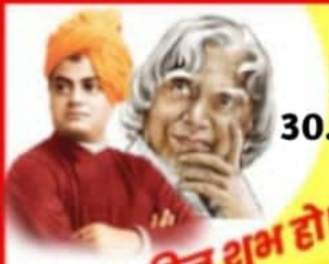

दिनांक 30.01.2024

## काव्यांजलि 2115

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 3, विषय- हिन्दी (पंखुड़ी)

## पाठ 2, मुर्गा और लोमड़ी (भाग 1)

मुर्गा बैठा पेड़ की डाल पर,
जंगल सारा था देख रहा।
लोमड़ी उसे देख ललचायी,
नीचे बुलाने की जुगत लगायी।।

बोली मुर्गे तू ऊपर क्यों है,
तुझे जमीन पर चलना है।
मुर्गे ने फिर उसे समझाया,
ऊपर बैठने का कारण बतलाया।।

जंगली जानवर बहुत जंगल में,
उनसे बहुत मैं डरता हूँ।
अपनी जान बचाने की खातिर,
मैं ऊँची डाल पर बैठा हूँ।।

लोमड़ी सुन बात बड़ी चकरायी,
झूठी एक खबर उसने सुनाई।
समझौता एक हुआ है सबमें,
मारेगा न कोई किसी को अब से।।

रचना
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल, बेथर 1
ब्लॉक- सिकन्दरपुर कर्ण
जनपद- उन्नाव

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान

# मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

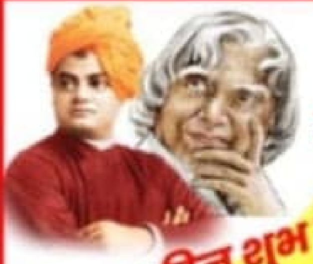

दिनांक 31 जनवरी 2024

# काव्यांजलि

**2116**

दिन बुधवार

पाठ- 06

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6

## विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)

## पृथ्वी के परिमण्डल

## महाद्वीप

महाद्वीप हैं सात धरा पर,
आओ इनको हम जानें।
क्रम से क्षेत्रफल घटते क्रम में,
एक-एक कर पहचानें।।

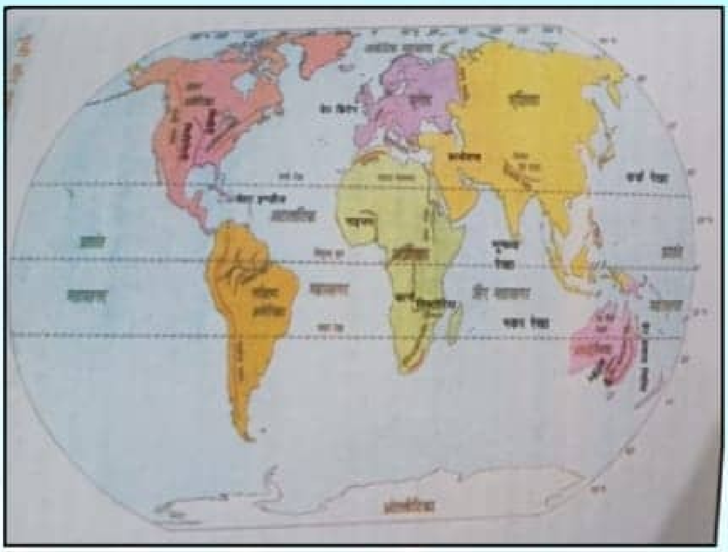

एशिया, अफ्रीका, उत्तरी,
अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका।
अंटार्कटिका, यूरोप, आस्ट्रेलिया
नाम महाद्वीपों का।।

अति विशाल भूखण्ड हैं ये,
इनमें कहीं पर्वत, नदी, पठार।
लिए विविधता कई तरह के,
जानो अपना है संसार।।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

Scanned with OKEN Scanner

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ... मिशन शिक्षण संवाद बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ...

# काव्यांजलि माह जनवरी 2024

2090- सोमवार, 01 जनवरी, 'पृथ्वी की आन्तरिक संरचना' रुखसाना बानो, मिर्जापुर

2091-मंगलवार, 02 जनवरी, 'तबादला' सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर

2093- गुरूवार, 04 जनवरी, 'पृथ्वी के ताप कटिबन्ध', अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी

2094- शुक्रवार, 05 जनवरी, 'विमल इन्दु की विशाल किरणें', मृदुला वर्मा, कानपुर

2095- शनिवार, 06 जनवरी 'घमण्डी का बाग-1', डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव

2096- सोमवार, 08 जनवरी, 'शैल' भाग-1 रुखसाना बानो, मिर्जापुर

2097- मंगलवार, 09 जनवरी, दीप्त एवं अदीप्त वस्तुएँ, सुमन सिंह, सोनभद्र

2098- बुधवार, 10 जनवरी, 'मानचित्रण' अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी

2099- गुरुवार, 11 जनवरी, 'ईदगाह' (भाग-8), शिखा वर्मा, सीतापुर

2100- शुक्रवार, 12 जनवरी, 'मेरा परिवार मेरी प्रेरणा', सुधांशु श्रीवास्तव फतेहपुर

2101- शनिवार, 13 जनवरी, 'मैं और मेरा देश' भाग -1, मृदुला वर्मा, कानपुर देहात

2102- सोमवार,15 जनवरी, 'शैल-भाग 2' रुखसाना बानो, मिर्जापुर

2103- मंगलवार, 16 जनवरी, 'घमंडी का बाग-2', डॉ० नीतू शुक्ला उन्नाव

2104- बुधवार, 17 जनवरी 'ईदगाह', पूनम नैन,

2105- गुरुवार, 18 जनवरी, 'ईदगाह (भाग-9)', शिखा वर्मा, सीतापुर

2106- शुक्रवार, 19 जनवरी, 'विजयपथ' सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर

2107- शनिवार, 20 जनवरी, 'मैं और मेरा देश, भाग- 2', मृदुला वर्मा, कानपुर देहात

2108- सोमवार, 22 जनवरी, 'संचार के साधन', पुष्पा पटेल, चित्रकूट

2109- मंगलवार, 23 जनवरी, 'घमंडी का बाग', डॉ०, नीतू शुक्ला उन्नाव

2110- बुधवार, 24 जनवरी, 'दिशाएँ' अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी,

2111- गुरुवार, 25 जनवरी, 'ईदगाह',(भाग-10)' शिखा वर्मा, सीतापुर

2112- शुक्रवार, 26 जनवरी, 'पंच परमेश्वर' सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर

2013- शनिवार, 27 जनवरी, 'चेतक की वीरता', मृदुला वर्मा, कानपुर

2114- सोमवार, 29 जनवरी,'यातायात के नियम', पुष्पा पटेल, चित्रकूट

2115- मंगलवार, 30 जनवरी, 'मुर्गा और लोमड़ी', डॉ०, नीतू शुक्ला उन्नाव

2116- बुधवार, 31, जनवरी, 'महाद्वीप' अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी

संकलन कर्ता :- राज कुमार शर्मा, मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with OKEN Scanner